MAHD-05

June - Examination 2017

MA (Final) Hindi Examination

नाटक और कथेतर गद्य विधाएँ

Paper - MAHD-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब', 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
   (i) धनंजय ने अपने ग्रन्थ दश रुपक में नाटक की परिभाषा क्या दी है?
   (ii) 'पैर तले की जमीन' नाटक के रचयिता कौन हैं?
   (iii) आत्मपरक निबन्ध किसे कहते हैं?
   (iv) हास्य और व्यंग्य में अन्तर को संक्षिप्त में लिखिए।
   (v) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबन्ध का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
   (vi) निर्मल वर्मा द्वारा लिखित 'डायरी' का नाम लिखिए।

(vii) 'अंधायुग' में काल्पनिक पात्र कौन–कौन से हैं?

(viii) 'लोकमंगल की साधनावस्था' निबन्ध में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'धर्म' को किस प्रकार अभिव्यक्त किया है?

(खण्ड – ब) $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) 'फीचर–लेखन' की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3) शुक्लोत्तर युग के निबन्ध लेखन पर प्रकाश डालिए।

4) 'काव्य मे लोकमंगल की साधनावस्था' निबन्ध में काव्य के प्रकार को समझाइए।

5) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''प्रश्न के स्वर से और पूछने के ढंग से मैं एक तरफ बैठा हुआ भी तिलमिला गया। प्रेमचन्द भी एक छोटे क्षण के लिए सकते में आ गए थे, परंतु तुरंत संभलते हुए उन्होंने संयत स्वर में कहा, ''एक क्यों, मैं तो दोनों पैर कब्र में लटकाये बैठा हूँ, फिर भी कहता हूँ कि साधना का बड़ा महत्व होता है'' और बात पूरी करके उन्होंने अपना प्रसिद्ध कहकहा लगाया की गूँज आज भी कभी–कभी उनके दोनो बेटों – श्रीपत राय और अमृत राय की हँसी से सुनाई दे जाती है।''

6) सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

अश्वत्थामा। तुम विजयी होंगे निश्चय हो चुका पाण्डवों के पुण्यों का अब क्षय
मैं कृष्ण–प्रेमवश
अब तक उनकी रक्षा करता था

मैं विजय दिलाता
उनमें नया पराक्रम भरता था
पर कर अधर्म वध
द्वार उन्होंने स्वतः मृत्यु के खोले।

7) 'अशोक के फूल' निबन्ध की संवेदना को निरूपित कीजिए।

8) 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा वृत्तान्त का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

9) हिन्दी ललित निबन्ध परम्परा में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अवदान पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए। शब्दसीमा अधिकतम 500 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) 'गीतिनाट्य के रूप में अंधायुग' की सविस्तार समीक्षा कीजिए।

11) हिन्दी नाटक की परम्परा और विकास का उल्लेख करते हुए नाटक के विकास में मोहन राकेश के योगदान को उद्घाटित कीजिए।

12) 'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' निबन्ध में विद्यमान आधुनिक भावबोध का विश्लेषण कीजिए।

13) ''प्रसाद जिस प्रवृत्ति और उद्देश्य को लेकर नाटक निर्माण में तल्लीन हुए थे, उसका चरम उत्कर्ष चन्द्र गुप्त नाटक में प्रकट होता है।'' सप्रमाण विवेचन कीजिए।